NEWS CLIPPING: 14.01.2020

THE TRIBUNE

ACQUIRE SKILLS, NOT JUST DEGREE: VC

Faridabad: Dinesh Kumar, Vice-Chancellor of JC Bose University of Science and Technology, YMCA here urged the students to acquire real time engineering skills rather than merely attaining an engineering degree. He said a degree might get them a job, but it cannot help them grow further without nourishing their skill. He was addressing an inaugural session of a week-long workshop on 'GIS and Surveying in Civil Engineering' organised by the Department of Civil Engineering, in collaboration with REC Ambedkar Nagar (UP). BR Chauhan, Senior Advisor, Construction Industry Development Council (CIDC) was the chief guest of the inaugural session. Praveen Tiwari, General Manager at CIDC was also present. Kumar stressed the need to arrange educational tours for students to historical monuments, buildings and major construction project sites in every semester.

The Tribune Tue, 14 January 2020
https://epaper.tribune

NEWS CLIPPING: 14.01.2020

NAVBHARAT TIMES

'केवल डिग्री नहीं, कौशल से मिलता है रोजगार'

वाईएमसीए की कार्यशाला में बोले वीसी, सैकड़ों छात्र हुए शामिल

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज आंबेडकर नगर के सहयोग से जीआईएस व सर्वेक्षण पर 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस दौरान निर्माण उद्योग विकास परिषद के वरिष्ठ सलाहकार प्रोफेसर बी. आर. चौहान मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

वहीं, यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार, निर्माण उद्योग विकास परिषद के महाप्रबंधक प्रवीण तिवारी मौजूद थे। कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि अच्छा रोजगार पाने के लिए केवल डिग्री ही काफी नहीं होती है, इसके लिए छात्रों में कौशल होने की भी जरूरत है। इंजीनियरिंग की डिग्री से नौकरी तो हासिल की जा सकती है, लेकिन करियर में आगे बढ़ने के लिए इंजीनियरिंग में कौशल का

होना बेहद जरूरी है। आमतौर पर यह देखा जाता है कि छात्रों को पढ़ाई के बाद अच्छी प्लेसमेंट मिल जाती है, लेकिन कौशल व ज्ञान की कमी के कारण उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। इस मौके पर सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एम. एल. अग्रवाल ने कार्यशाला व विभागीय गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में यूनिवर्सिटी व अन्य संस्थानों के 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

विज्ञान में रुचि रखने वाले 18 छात्रों का चयन

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** विज्ञान के क्षेत्र में काम कर रही संस्था विज्ञान भारती ने जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के सहयोग से राष्ट्रीय स्तरीय विद्यार्थी विज्ञान मंथन कार्यक्रम के तहत राज्य स्तरीय शिविर व बहुस्तरीय परीक्षा का आयोजन किया। यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में 118 छात्रों ने हिस्सा लिया। इस शिविर व परीक्षा का उद्देश्य कक्षा 6वीं से 11वीं तक विज्ञान में रुचि रखने वाले राज्य के श्रेष्ठ छात्रों का चयन करना था, जो राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगे। शिविर व परीक्षा के आधार पर 18 छात्रों का चयन किया गया। शिविर का आयोजन विज्ञान भारती की हरियाणा शाखा की अध्यक्ष डॉ. रंजना अग्रवाल की देखरेख में किया गया। यूनिवर्सिटी की तरफ से डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सोनिया बंसल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में हुआ कार्यक्रम

NEWS CLIPPING: 14.01.2020

HINDUSTAN

इंजीनियरिंग कौशल की शिक्षा जरूरी : प्रो. दिनेश

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

आयोजन

- जीआईएस एवं सर्वेक्षण पर टीईक्यूआईपी ट्विनिंग कार्यशाला
- उद्योग और शिक्षा को साथ लाने की जरूरत पर बल दिया

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में सोमवार को सिविल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से जीआईएस एवं सर्वेक्षण पर टीईक्यूआईपी ट्विनिंग कार्यशाला शुभारंभ हुआ।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो एमएल अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। राजकीय इंजीनियरिंग कालेज अंबेडकर नगर, उत्तरप्रदेश के सहयोग से कराई जा रही इस पांच दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि छात्रों को केवल डिग्री हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग कौशल हासिल करने के लिए कोर्स करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग की डिग्री से नौकरी तो हासिल की जा सकती है लेकिन करियर में आगे बढ़ने के लिए इंजीनियरिंग कौशल का होना बेहद जरूरी है। साथ ही कुलपति ने हर सेमेस्टर में छात्रों के लिए ऐतिहासिक स्मारकों, प्रमुख इमारतों और प्रमुख निर्माण परियोजनाओं के शैक्षिक भ्रमण की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

NEWS CLIPPING: 14.01.2020

PUNJAB KESARI .COM

केवल डिग्री नहीं, कौशल से मिलेगा रोजगार

फफरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को केवल डिग्री हासिल करने की बजाये वास्तविक इंजीनियरिंग कौशल हासिल करने का आह्वान किया और कहा कि इंजीनियरिंग की डिग्री से नौकरी तो हासिल की जा सकती है लेकिन करियर में आगे बढने के लिए इंजीनियरिंग कौशल का होना बेहद जरूरी है।कुलपति प्रो. दिनेश कुमार आज

जीआईएस एवं सर्वेक्षण पर पांच दिवसीय कार्यशाला

सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा राजकीय इंजीनियरिंग कालेज अम्बेडकर नगर (उत्तरप्रदेश) के सहयोग से जीआईएस एवं सर्वेक्षण पर टीईक्यूआईपी ट्विनिंग कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उद्घाटन सत्र में प्रो. बीआर चौहान, निर्माण उद्योग विकास परिषद (सीआईडीसी) के वरिष्ठ

सलाहकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर सीआईडीसी के महाप्रबंधक श्री प्रवीण तिवारी भी उपस्थित थे। कुलपति ने कहा कि कंप्यूटर इंजीनियरिंग की तुलना में सिविल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स वास्तविक अर्थों में इंजीनियरिंग की शाखाएं हैं लेकिन, रोजगार के मौजूदा अवसरों के कारण हर दूसरा छात्र कंप्यूटर इंजीनियरिंग से पीछे है। उन्होंने वाईएमसीए इंजीनियरिंग संस्थान के मैकेनिकल और टूल इंजीनियरिंग के पूर्व छात्रों की सफलता के उदाहरण देते हुए कहा कि विद्यार्थी खुद में रोजगार के लिए जरूरी कौशल, तकनीकी ज्ञान और क्षमताएं विकसित करें। कार्यशाला के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण सिविल इंजीनियरिंग की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है, इसलिए, विद्यार्थियों को जीआईएस और सर्वेक्षण तकनीकों को सीखना चाहिए। इससे पहले, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष, प्रो एम.एल. अग्रवाल ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कार्यशाला और विभागीय गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी।